दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
01.		3.1.1	लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अन्तर्गत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सेवाऐं/योजनायें	12.1 राज्य बीमारी सहायता निधि के अधीन रू. 2.00 लाख तक के प्रकरण जिला स्तर से स्वीकृत किया जाना। 12.2विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदाय करना। 12.3दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना हेतु स्वास्थ्य कार्ड प्रदाय करना। 12.4 राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम। 12.5 आवेदक की आयु का चिकित्सकीय सत्यापन। 12.6 मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के प्रकरण स्वीकृत किया जाना। 12.7 प्रदेश में संचालित निजी उपचर्यागृहों (नर्सिंग होम) तथा रूजोपचार (क्लीनिक आदि) संबंधी स्थापनाओं का रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन दिया जाना। 12.8 प्रदेश में संचालित निजी उपचर्यागृहों (नर्सिंग होम) तथा रूजोपचार (क्लीनिक आदि) संबंधी स्थापनाओं का रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन का नवीनीकरण।	• इन सभी सेवाओं की पूर्ण रूप से ऑन लाईन क्रियाशील कराना।		

दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
2.		3.2.5	परिवार कल्याण कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण ।	• कुल नसबंदी (वार्षिक) 5,00,000 • कुल आईयूसीडी –4,00,000 • कुल पीपीआईयूसीडी– 2,00,000 **प्रथम त्रैमास** • कुल नसबंदी 50000 • कुल आईयूसीडी –40000 • कुल पीपीआईयूसीडी– 20,000 **द्वितीय त्रैमास** • कुल नसबंदी 100000 • कुल आईयूसीडी –80000 • कुल पीपीआईयूसीडी– 40,000 **द्वितीय त्रैमास प्रशिक्षण–** • एल.टी.टी. प्रशिक्षणः– 6 चिकित्सक। • मिली लैब प्रशिक्षणः– 20 चिकित्सक। एल–3 डिलेवरी पाईंट एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक	**प्रथम त्रैमास उपलब्धि** आपरेशन – 22228 आई.यू.सी.डी. – 43908 पी.पी.आई.यू.सी.डी – 27557 **द्वितीय त्रैमास उपलब्धि दिनांक 21/08/2015 तक** आपरेशन – 60,092 आई.यू.सी.डी. – 89,514 पी.पी.आई.यू.सी.डी – 62,106 ओरल पिल्स – 2,57736 कंडोम – 3,30364		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
				• एन.एस.व्ही. प्रशिक्षणः– 16 चिकित्सक • पी.पी.आई.यू.सी.डी. :– 150 (एलः–2 डिलेवरी पाईंट स्तर तक) **तृतीय त्रैमास –** • कुल नसबंदी 200000 • कुल आईयूसीडी –160000 • कुल पी.पी.आई.यू.सी.डी.– 80,000 **प्रशिक्षण–** • एल.टी.टी. प्रशिक्षणः– 12 चिकित्सक। • मिली लैब प्रशिक्षणः– 20 चिकित्सक। एल–3 डिलेवरी पाईंट एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक एन. एस.व्ही. प्रशिक्षणः– 20 चिकित्सक • पी.पी.आई.यू.सी.डी .:–250 (एलः–2 डिलेवरी पाईंट स्तर तक)			

दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
				चतुर्थ त्रैमास – • कुल नसबंदी 150000 • कुल आईयूसीडी –120000 • कुल पीपीआईयूसीडी– 60,000 प्रशिक्षणः– • एल.टी.टी. प्रशिक्षणः– 6 चिकित्सक। • मिली लैब प्रशिक्षणः– 20 चिकित्सक। एल–3 डिलेवरी पाईंट एवं सी.एस.सी. स्तर तक • एन.एस.व्ही .प्रशिक्षणः– 20 चिकित्सक • पी.पी.आई.यू.सी.डी.:–200 (एलः–2 डिलेवरी पाईंट स्तर तक)			
3.			नये कुष्ठ रोगी खोज	**वार्षिक** 7000 प्रथम त्रैमासः– 1711 द्वितीय त्रैमासः– 1763 तृतीय त्रैमासः– 1763 चतुर्थ त्रैमासः– 1763	उपलब्धि जुलाई 2015:–2461 प्रथम त्रैमास 603		

दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
			कुष्ठ मुक्त ग्राम खोज	7000 ग्रामों का चिन्हांकन जहां पिछले 3 वर्षों से कोई कुष्ठ रोगी ना खोजा गया हो का सर्वेक्षण प्रथम त्रैमासः– 1000 द्वितीय त्रैमासः– 2500 तृतीय त्रैमासः– 3500 चतुर्थ त्रैमासः– निरंक			
			क्म रोगी खोज दर (Low endemic) वाले जिलों के अधिक रोगी दर (High endemic) वाले विकासखंडों में सघन सर्वेक्षण (विकासखंड कुष्ठ नियत्रंण अभियान (BLCC-Block Leprosy Control Campaign)	16 जिलों के 19 विकास खंडों के 2236 ग्राम प्रथम त्रैमास :–निरंक द्वितीय त्रैमास :–निरंक तृतीय त्रैमास :–निरंक चतुर्थ त्रैमास :–2236			
			अधिक रोगी खोज दर (High endemic) वाले जिलों के अधिक खोजी दर (High endemic) वाले विकासखंडों में स्वास्थ्य सम्पर्कों की जांच	18 जिलों के 72 विकास खंडों के 6000 ग्राम **प्रथम त्रैमास :– निरंक** **द्वितीय त्रैमास :–1000** **तृतीय त्रैमास :– 2500** **चतुर्थ त्रैमास :– 2500**			
			पदरक्षक वितरण	6500 **प्रथम त्रैमास :– 800** **द्वितीय त्रैमास :–1800** **तृतीय त्रैमास :–2000** **चतुर्थ त्रैमास :– 1900**			

दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
			पुर्नशल्यक्रिया	200 **प्रथम त्रैमास :– निरंक** **द्वितीय त्रैमास :– 75** **तृतीय त्रैमास :– 75** **चतुर्थ त्रैमास :– 50**	जुलाई 2015 तक 69		
4.			एम.डी.आर. टी.बी के उपचार की व्यवस्था का विस्तर।	**CBNAAT मशीनों की स्थापना।** **प्रथम त्रैमास का लक्ष्य– निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य :– 5** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः– 12**			
5.			नेत्र रोग चिकित्सा व्यवस्था का उन्नयन । 5 हजार फेको पद्धति से मोतिया बिंद आपरेशन	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्य :– 500** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–1000** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य :–1500** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्य :– 2000** • **ग्लोकोमा की जॉच।** **प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्य :–3 जिलों में** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य :–3 जिलों में** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्य :–4 जिलों में**	500 फेको पद्धति से मोतिया बिंद के आपरेशन किये गये है। **निरंक**		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
				स्कूलों के छात्र/छात्राओं कों को चश्मों का वितरण **प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– 25000** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– 50000** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्य :– 25000** • **बुजूर्गों को चश्मों का वितरण** **प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– 30000** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– 60000** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः– 60000**			
6.		3.3.2	1) 01.04.2015 की स्थिति में वरीयता सूचियों का प्रकाशन 2) नर्सिंग संवर्ग की पदोन्नति 3)स्टाफ नर्स के पदों की पूर्ती	**प्रथमत्रैमास लक्ष्य** समस्त नर्सिंग संवर्ग की वरीयता सूचियों का प्रकाशन प्राचार्य से डी.पी.एच.एन.ओ. के पद पर पदोन्नति प्रदेश के शासकीय चिकित्सालयों में 550 पदों की पूर्ती करना।	समस्त नर्सिंग संवर्ग के 7 संवर्गों की अन्नतिम वरीयता सूची जारी की गई है, 2. नर्सिंग संवर्ग के 3 संवर्ग प्राचार्य,नर्सिंग अधीक्षक एंव सिस्टर टयूटर की अंतिम वरियता सूची जारी की जा चुकी है। प्राचार्य से डी.पी.एच.एन.ओ. के पद पर पदोन्नति हेतु शासन को भेजे गये प्रस्ताव की डी.पी.सी. की जा चुकी है। शासन स्तर से पदोन्नति आदेश जारी किया जाना शेष है। शासकीय जनरल नर्सिंग एवं बी. एस.सी. नर्सिंग प्रशिक्षण एवं स्वाबलंबन योजना के अंतर्गत उत्तीर्ण लगभग 524 उम्मीदवारों को नियुक्ति दी जा चुकी है।		

दिनांक 07/09/2015 की स्थिति में अद्यतन जानकारी

प्रपत्र–2 ए

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
				द्वितीय त्रैमास लक्ष्य			
			1) 1.04.2015 स्थिति में अंतिम वरीयता सूचियों का प्रकाशन	नर्सिंग संवर्ग के समस्त संवर्गों की अंतिम वरियता सूचियों का प्रकाशन	01.04.2015 की स्थिति में प्राचार्य,नर्सिंग अधीक्षक एंव सिस्टर टयूटर की अंतिम वरियता सूची जारी की जा चुकी है। शेष नर्सिंग संवर्गों की अंतिम वरियता सूची जारी की जाना है।		
			2) नर्सिंग संवर्ग की पदोन्नति	संचालनालय स्तर से नर्सिंग संवर्ग के मेट्रन, नर्सिंग सिस्टर एवं सिस्टर टयूटर में परिभ्रमण में रखे गये कर्मचारियों की पदोन्नति की जाना है। शासन स्तर से नर्सिंग संवर्ग के जी. एन.एम. प्राचार्य के पद पर पदोन्नति	1. नर्सिंग सिस्टर से मेट्रन के पद पर परिभ्रमण में रखे कर्मचारियों की पदोन्नति 2. स्टाफ नर्स से नर्सिंग सिस्टर के पद पर परिभ्रमण में रखे गये कर्मचारियों की पदोन्नति 3. स्टाफ नर्स से सिस्टर टयूटर के पद पर परिभ्रमण में रखे गये कर्मचारियों की पदोन्नति शासन स्तर पर नर्सिंग संवर्ग के प्राचार्य ए.एन.एम./उप प्राचार्य जी. एन.एम. से प्राचार्य जी.एन.एम. के पद पर पदोन्नति हेतु प्रस्ताव शासन स्तर को प्रेषित करना। बालाघाट जी.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र में भारतीय उपचर्या परिषद् का निरीक्षण शेष है, जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है।		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
7.		3.1.4	1) नर्सिंग संवर्ग की पदोन्नति	**तृतीय त्रैमास लक्ष्य** शासन स्तर से नर्सिंग संवर्ग के ए. एन.एम. प्राचार्य/उप प्राचार्य जी.एन. एम. के पद पर पदोन्नति	शासन स्तर पर नर्सिंग संवर्ग के सिस्टर टयूटर से प्राचार्य ए.एन.एम. /उप प्राचार्य जी.एन.एम. के पद पर पदोन्नति हेतु प्रस्ताव शासन स्तर को प्रेषित करना।		
				शासन स्तर से नर्सिंग संवर्ग के मेट्रन से नर्सिंग अधीक्षक के पद पर पदोन्नति।	शासन स्तर पर नर्सिंग संवर्ग के मेट्रन से नर्सिंग अधीक्षक के पद पर पदोन्नति हेतु प्रस्ताव शासन स्तर को प्रेषित करना।		
				स्टाफ नर्स से नर्सिंग सिस्टर एवं सिस्टर टयूटर के पद पर पदोन्नति	1.संचालनालय स्तर पर स्टाफ नर्स से नर्सिंग सिस्टर के पद पर पदोन्नति की जाना है। 2. संचालनालय स्तर पर स्टाफ नर्स से सिस्टर टयूटर के पद पर पदोन्नति की जाना है। पदों की पूर्ती व्यापम द्वारा किये जाने हेतु उच्च न्यायालय इंदौर मे अंतिम निर्णय हेतु लंबित है।		
				स्टाफ नर्सों के रिक्त लगभग 550 पदों की पूर्ती किया जाना	संचालनालय स्तर से प्रतिवर्ष शासकीय जी.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र एवं बी.एस.सी. नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्रों से उत्तीर्ण छात्राओं द्वारा पदों की पूर्ती की जाती है। इस		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
					हेतु प्रतिवर्ष 20 जी.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्रों में 1040 एवं बी.एस.सी. नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्रों में 120 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। जिससे शीघ्र ही पदों की पूर्ती की जावेगी।		
			नर्सिंग संवर्ग की पदोन्नति	**चर्तुथ त्रैमास लक्ष्य** नर्सिंग सिस्टर से मेट्रन के पद पर पदोन्नति	संचालनालय स्तर पर नर्सिंग सिस्टर से मेट्रन के पद पर पदोन्नति की जाना है।		
8.		3.6.2	अस्पताल प्रबंधन हेतु एक व्यवसायिक केडर की स्थापना।	अस्पताल प्रबंधन हेतु एक व्यवसायिक केडर की स्थापना।			
9.		3.5.1	नि':शुल्क औषधि एवं निःशुल्क जांच की व्यवस्था।	1. 300 प्रकार की औषधियॉ जिला चिकित्सालय में एवं 250 प्रकार की औषधियॉ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की संस्थाओं में उपलब्ध कराई जाना सुनिश्चित किया गया है। 2. जिला चिकित्सालय में 48 प्रकार की जॉचे निःशुल्क दी जाना सुनिश्चित किया गया है। 3. जिला चिकित्सालय में TORCH, THYROID & CULTURE की जॉचों को आउटर्सोसिंग के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित है।			

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
			प्रदेश में पैथालॉजी लैब्स की गुणवत्ता सनिनिश्चित करना।	**द्वितीय त्रैमास** • पैथालॉजी लैब्स् की गुणवत्ता मूल्यांकन हेतु टीम का गठन। • गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम हेतु ऐजेंसी का चयन, प्रशिक्षण तथा कार्ययोजना बनाना। **तृतीय त्रैमास** 1. पैथालॉजी लैब्स का बेस लाईन असेसमेंट।			
10.		3.6.1	मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कार्पोरेशन द्वारा नियमित व्यवसाय का संपादन/संचालन ।	औषधियॉ, सामग्री एवं उपकरणों का उपार्जन एवं दर निर्धारण			
11		3.2.2	टीकाकरण व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण ।	• **पूर्ण टीकाकरण वार्षिक लक्ष्यः–1811000** • **गर्भवती महिला टीकाकरण का वार्षिक लक्ष्यः–1956000**			
12		3.2.1	विभाग के अधीन स्वीकृत 1609 सिविल कार्यों का क्रियान्वयन।	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः–** 161 कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य। **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्य** 184 कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य। **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–निरंक** 242 कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य। **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–निरक** 291कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य।	161 कार्य पूर्ण । निरंक।		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
13		3.2.1	प्रदेश के 24 जिला चिकित्सालयों में ट्रामा सेंटर की स्थापना ।	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्य–10** जिलों में ट्रॉमा सेन्टर्स को उपलब्ध स्टाफ व संसाधनों से क्रियाशील करना। **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य–** 1. 10 जिलों में ट्रॉमा सेन्टर्स को उपलब्ध स्टाफ व संसाधनों से क्रियाशील करना। 2.इन जिलों में ट्रॉमा सेन्टर्स के लिये आवश्यक अन्य उपकरणों/ फर्नीचर हेतु बजट जारी करना। 3.ट्रॉमा सेन्टर्स में किये जा रहे कार्य की सतत मॉनीटरिंग। **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्य**–उपरोक्त 20 ट्रॉमा सेन्टर्स में अन्य उपकरण /फर्नीचर उपलब्ध कराना।	• ट्रॉमा सेन्टर के 25 भवन पूर्ण, शेष प्रगति पर • 88 चिकित्सक एवं 76 स्टाफ नर्सों को ट्रामा केयर में प्रशिक्षण पूर्ण। • मेक्स चिकित्सालय नई दिल्ली व नारायण हृदयालय जयपुर में 20–20 स्टाफ नर्सों का तीन माह का ट्रामा प्रशिक्षण दिसंबर माह में प्रारंभ करना लक्षित।		
14		3.2.1	प्रदेश के 5 बड़े समस्त जिला चिकित्सालयों (उज्जैन, जबलपुर, मंदसौर, रतलाम एवं छिंदवाड़ा) में मॉडल आई.सी.यू की व्यवस्था	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–**निरंक **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** आई.सी.यू हेतु एस.ओ.पी तैयार कर जारी करना। **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य–** 1. उपरोक्त 5 जिला चिकित्सालयों में आई.सी.यू हेतु प्रति चिकित्सालय 2 चिकित्सकों एवं 4 स्टाफ नर्सों का प्रशिक्षण।			

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
				2. आई.सी.यू में प्रशिक्षित चिकित्सकों/स्टाफ नर्सों की ड्यूटी आई.सी.यू में सुनिश्चित करना। 3. आई.सी.यू में निर्धारित एस.ओ.पी का पालन सुनिश्चित करना। 4. चिकित्सालयों में स्थित सघन चिकित्सा इकाईयों में किये जा रहे कार्य की सतत् मॉनीटरिंग। **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्य–** 1. उपरोक्त 5 जिला चिकित्सालयों में आई.सी.यू हेतु प्रति चिकित्सालय 2 चिकित्सकों एवं 4 स्टाफ नर्सों का प्रशिक्षण। 2. आई.सी.यू में निर्धारित एस. ओ.पी का पालन सुनिश्चित करना। 3. आई.सी.यू में किये जा रहे कार्य की सतत् मॉनीटरिंग।			
15			एच.एम.आई.एस. का क्रियान्वयन।	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्य–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्य – निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्य –** आर.एफ.पी. तैयार करना । **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** एन.आई.टी. का प्रकाशन			

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
16			हमारी बिटिया अभियान ।	राज्य में पी.सी.एंड.पी.एन.डी. अी. अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत अल्ट्रासोनोग्रॉफी केन्दों की (कुल 1397) के निरीक्षण का लक्ष्य निम्नानुसार :– **प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––348** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–348** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–349** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–349**	• प्रथम त्रैमास में किये निरीक्षणो की संख्या–44 • 6 को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गऐ। • निम्नलिखित जिलों की कुल (3) न्यायिक प्रकरण दर्ज किये गये हैः– देवास, रायसेन एवं सीहोर		
17			चिकित्सालयों में साफ–सफाई एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था।	समस्त चिकित्सालयों में शासन द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार साफ–सफाई एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक स्वच्छ पेयजल की नियमित व्यवस्था।			
18	11.14	3.2.1	प्रदेश में 1596 चिन्हांकित प्रसव केन्द्र	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**1163 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–**51 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः**–86 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–**100	प्रथम त्रैमास में 1227 (88 संस्थाओं में सी–सेक्शन) संस्थाऐं क्रियाशील।		
			152 लेवल 3 सीमॉक	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**88* **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–**06 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः**–06 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः**–10			
			748 लेवल 2 बीमॉक	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**644 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–**26 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः**–20 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–**40			

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
		3.1.3	696 लेवल 1	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**431 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः**–19 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः**–60 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–**50			
19		3.1.1	101 सीमॉक संस्थाओं में ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**45 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः**–25 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–**15 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–**16	प्रथम त्रैमास में 45 क्रियाशील		
20		3.1.1	जिला अस्पताल में मॉडल मेटर्निटी विंग	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**07 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक**	प्रथम त्रैमास में कुल 7 जिले बडवानी, खंडवा, भिण्ड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, रीवा स्थापित		
21		3.1.1	स्किल लैब की स्थापना	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**02 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः**–02 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक**	द्वितीय त्रैमास में इन्दौर एवं रीवा स्किल लैब की स्थापना का लक्ष्य पूर्ण		
22		3.2.1	विशेष नवजात शिशु चिकित्सा इकाई (SNCU) की क्रियाशीलता	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः–निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः**–01 (रीवा जिला चिकित्सालय) **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक**	53 क्रियाशील		
23		3.1.1	नवजात शिशु स्थिरीकरण ईकाईयों (NBSU) की क्रियाशीलता	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**25 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः**–33 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–35** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–30**	105 नवजात शिशु स्थिरीकरण ईकाईयों की स्थापना की जा चुकी है इस वर्ष 123 नवीन एनबीएसयू प्रारंभ किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।		
24		3.1.1	न्यूबोर्न केअर कार्नर की क्रियाशीलता	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**30 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–**70 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–80** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–50**	1366 क्रियाशील		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
25		3.1.1	मॉडल के.एम.सी. वार्ड (मेडिकल कॉलेज)	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 2 (इन्दौर एवं रीवा)	–		
26		3.1.1	पीडियट्रिक इंटेंसिव केअर यूनिट (PICU)	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–01 शिवपुरी** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–01 रतलाम**	–		
27		3.1.1	पी.आई.सी.यू. उन्नयन (मेडिकल कॉलेज)	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 1 (एम.वाय.एच. इन्दौर)	–		
28		3.1.1	मॉडल पिडियाट्रिक ई–टेट वार्ड	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––निरंक** **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः– निरंक** **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः– 01 रायसेन** **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 1 होशंगाबाद	–		
29		3.2.6	पोषण पुनर्वास केंद्रों में गंभीर कुपोषित (SAM) बच्चों का उपचार	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**15000 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 17500 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 15000 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–**17500	13070 SAM Children		
30		3.2.2	बच्चों का पूर्ण टीकाकरण	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**450000 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 450000 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 511000 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 400000			

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
31		3.2.3	बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्म से 18 साल से कम आयु के बच्चों का संपूर्ण स्क्रीनिंग के 1,50,00,000 लक्ष्य को प्राप्त करना	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः–** 3500000 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 3500000 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 4000000 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 4000000	18 वर्ष से कम आयु के लगभग एक करोड़ पचास लाख बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की कार्ययोजना बनाई गई है प्रत्येक विकास खण्ड पर दो मेडिकल हेल्थ टीम का गठन कर 626 दल बनाये गये है जिसमें चिकित्सक, ए.एन.एम.व फार्मासिस्ट को रखा गया है, कुल 617 टीम कार्यरत है। अभी तक 36.22 लाख बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा चुका है।		
32		3.1.1	**शहरी स्वास्थ्य (राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन) का क्रियान्वयन** शहरी क्षेत्रों में RMNCH+A राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं असंचारी रोग कार्यक्रमों का प्रारंभ	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः–** RMNCH+A राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं असंचारी रोग कार्यक्रमों का प्रारंभ के क्रियान्वयन हेतु प्रथम तैमास में 9 और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले गये इस प्रकार 136 के लक्ष्य के विरूद्ध 115 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ किए जा चुके हैं। **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–**9 के लक्ष्य के विरूद्ध 9 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अगस्त तक खोल दिये गये इस प्रकार कुल 124 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोल दिये गये। **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 136 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः**–136	शहरी आशाओं के द्वारा शहरी गरीब बस्तियों में RMNCH+A राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं असंचारी रोग संबंधित विभिन्न सेवाएं दी जा रही है एवं आवश्यकता अनुसार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ हायर सेन्टर के लिए रेफरल किया जा रहा है।		

वर्ष 2015–2016 के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एंव चतुर्थ त्रैमास की समीक्षा

क्र.	संकल्प 2013	दृष्टि पत्र 2018	विभागीय गतिविधि	लक्ष्य/ सेवा आवश्यकता का आंकलन	प्रगित की वर्तमान स्थिति	वित्तीय आवंटन	व्यय राशि का उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
33			अर्बन लोकल बॉडी का उन्नमुखीकरण	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**0 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 28 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 72 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 100			
34			महिला ओराग्य समितियों का उन्नमुखीकरण	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**0 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 32 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 52 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 94			
35			शहरी आशा के बेसिक माड्यूल का प्रशिक्षण	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**12 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 25 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 25 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 15	लक्ष्य 12 के विरूद्ध 12 बैच का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका हैं।		
36			शहरी आशा के 6 एवं 7 माड्यूल का प्रशिक्षण	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः––**05 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 15 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 15 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** निरंक	लक्ष्य 5 के विरूद्ध 5 बैच का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका हैं।		
37		3.2.4, 3.2.6, 3.2.7	आशा प्रशिक्षण (मॉडयूल 6 एवं 7 – बैचों की संख्या, प्रति बैच 30 आशा)	**प्रथम त्रैमास का लक्ष्यः–** 125 **द्वितीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 200 **तृतीय त्रैमास का लक्ष्यः–** 300 **चतुर्थ त्रैमास का लक्ष्यः–** 185	151 बैच का प्रशिक्षण पूर्ण (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की भिन्न–भिन्न गतिविधियों के ग्राम स्तर पर समुदाय आधारित क्रियान्वयन में समुचित सहयोग हेतु भारत शासन के निर्धारित मॉड्यूल अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है।)		